



40

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर
गा. (गिरानी) / भिण्ड / भू. री. / 2017 / 2569
प्रकरण क्रमांक ----- / 2017 पुनरीक्षण

महन्त प्रियओमदास चेला महंत रामलखनदास जाति
बैरागी, निवासी: कस्बा गोरमी, परगना मेहगाँव, जिला-
भिण्ड मध्यप्रदेश,

श्री. दिनांक- 08-08-17 को
द्वारा आज दि. 8-8-17 को
प्रस्तुत

के.के.
सेलक ऑफिस नं. 8/17
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

--- आवेदक

बनाम

1. अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, मेहगाँव, जिला भिण्ड
2. नायब तहसीलदार, वृत्त गोरमी, तहसील मेहगाँव, जिला भिण्ड

--- अनावेदकगण

पुनरीक्षण अन्तर्गत धारा 50 मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 पारित आदेश दिनांक 11.4.2017 द्वारा श्री आर0बी0 प्रजापति, अपर आयुक्त, चम्बल संभाग मुरैना प्रकरण क्रमांक 01/2013-14/पुन. जिसके द्वारा आवेदक द्वारा प्रस्तुत पुनर्विलोकन प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 51 मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता निरस्त कर, आदेश दिनांक 22.10.2003 पारित विद्वान अपर आयुक्त महोदय प्रकरण क्रमांक 153/2002-2003 अपील को स्थिर रखा गया।

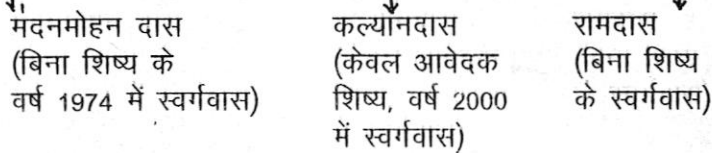
माननीय न्यायालय,

आवेदक की ओर से पुनरीक्षण सादर निम्नप्रकार प्रस्तुत है:-

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य

1. यहकि, ग्राम गोरमी में काली मर्दन व रामजानकी मंदिर स्थित है जिससे करीब 24 मौजों की भूमि कालीमर्दन जी के नाम से तथा कुछ ग्रामों में रामजानकी मूर्ति के नाम से लगी हुई है। इसके अलावा महन्त के भूमि स्वामित्व की भूमि है जो मौजा गोरमी, चंदेनी, कोटि, हसनपुरा आदि मौजों में है। पूर्व में उक्त जायदाद के महन्त श्री गिरवरदास जी हुए जिनका गुरुशिष्य वृक्ष निम्नानुसार है:-


गिरवरदास



कु. चित्रा संक्सेना
अथ कमिश्नर

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
आवृत्ति आदेश पृष्ठ

III / निगरानी / भिण्ड / भू0राज0 / 2017 / 2569

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
3 -11-2017	<p>आवेदक अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया। अधीनस्थ न्यायालय के प्रश्नाधीन आदेश की सत्यापित प्रति के अवलोकन से स्पष्ट है कि अपर आयुक्त ने प्रश्नाधीन भूमि माफी औकाफ की होने एवं प्रबंधक कलेक्टर भिण्ड दर्ज होने के कारण आवेदक द्वारा नामांतरण किये जाने हेतु प्रस्तुत आवेदन को निरस्त किये गये आदेश को यथावत रखा है। माफी औकाफ की भूमि पर किसी व्यक्ति के नाम नामांतरण किया जाना वैधानिक दृष्टि से अनुचित है। इस कारण अपर आयुक्त ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पुनर्विलोकन आवेदन को अस्वीकार किया है। अपर आयुक्त द्वारा पारित आदेश में कोई अवैधानिकता अथवा अनियमितता प्रकट नहीं होती है। दर्शित परिस्थितियों में यह निगरानी आधारहीन होने से ग्राह्यता के स्तर ही निरस्त की जाती है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: right;"> (एस0एस0 अली) सदस्य</p>	